ICAR National Bureau of Fish Genetic Resources

PRESS NOTE

Katia, KVK Sitapur, November 20, 2024: ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR-NBFGR), under its Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) project, is transforming lives through Mission Navshakti 2.0 (MN2.0), an initiative that empowers Scheduled Caste (SC) women by equipping them with entrepreneurial skills in ornamental fish farming. MN 2.0 he program has demonstrated how a simple idea, implemented effectively, can create pathways for economic independence and rural empowerment.

In its latest effort, ICAR-NBFGR organized a "Skill and Entrepreneurship Development Program" at Krishi Vigyan Kendra (KVK), Katia, in Sitapur district. The program brought together 25 women from nine self-help groups (SHGs), including Lakshmi, Anamika, Budhpurnima, Rakhi, Sharda, Bhimrao Ambedkar, Durga, and Mohini. Participants from six villages namely Saraiyamafi, Khidriyapur, Ramabhari, Mishrikh, Bhagwantpur, and Bhagatpurwa attended the training to gain hands-on experience in ornamental fish rearing, aquarium fabrication, and understanding the commercial aspects of the trade.

The program has not only taught technical skills but has also instilled confidence and an entrepreneurial mindset among the participants. Women who previously worked only in subsistence farming are now embracing ornamental fish farming as a viable livelihood option. By rearing ornamental species such as molly and guppy in backyard ponds, many women have already begun contributing to their household incomes, setting an inspiring example for others in their communities.

The initiative's impact is evident in its reach and outcomes. Since its inception, Mission Navshakti has trained 250 women from various SHGs across Uttar Pradesh and Rajasthan. These women have developed expertise in rearing ornamental fish and fabricating aquariums, creating a foundation for small-scale businesses. The program's hub-and-cluster model, successfully implemented in Dhankutti and nearby villages in Barabanki, links rural women to a central hub as a resource for training, input distribution and fish bank. Knowledge partners such as Aquaworld Lucknow and Hitech Fish Farm and Farmer Knowledge Centre Barabanki have played a critical role in supporting these efforts by providing technical guidance, sustainable supply chain and market linkages.

The training program at Katia was spearheaded by Dr. U.K. Sarkar, Director of ICAR-NBFGR. Dr Poonam Jayant Singh, Nodal Officer for SCSP highlighted the importance of a business-oriented approach to ornamental fish farming and emphasized how such grassroots-level initiatives align with national priorities of inclusivity, self-reliance, and women's empowerment. The participants were encouraged to explore the commercial potential of ornamental fish farming and embrace entrepreneurial thinking. Shri Indramani Raja, from Aquaworld, elaborated on the opportunities in ornamental fish trade and encouraged the participants to scale up their efforts to meet urban market demands and explained how to work with low cost input by recycling and reusing unused fodder units.

The local team at KVK, Katia, coordinated the program seamlessly. Dr. Dayashankar Srivastava, Head KVK Dr. Anand Singh, Dr. Akhilesh Mishra, and Shri Vikas Kumar played vital roles in ensuring the program's success. Knowledge partners further enhanced the participants' training experience, equipping them with the tools and skills to turn ornamental fish rearing into a sustainable business.

Mission Navshakti 2.0 reflects ICAR-NBFGR's commitment to aligning its initiatives with national goals of inclusive development and empowerment. By integrating traditional knowledge with modern techniques, this initiative has paved the way for SC women to take on leadership roles in their communities, achieve financial independence, and inspire others to follow their path.

The transformation brought about by Mission Navshakti is not just economic but social, as it strengthens community bonds and fosters a spirit of resilience and self-reliance among rural women. This grassroots movement, driven by a simple yet impactful idea, is rewriting narratives and offering a brighter, more inclusive future for women in India's rural heartland.

आईसीएआर राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

प्रेस विज्ञप्ति

कटिया, केवीके सीतापुर, 20 नवंबर 2024 : आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (आईसीएआर-एनबीएफजीआर) ने अपने अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) परियोजना के तहत मिशन नवशक्ति 2.0 (एमएन 2.0) के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावशाली उदाहरण पेश किया है। यह पहल अनुसूचित जाति (एससी) की महिलाओं को सजावटी मछली पालन के क्षेत्र में उद्यमशीलता कौशल प्रदान कर आर्थिक स्वतंत्रता और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है। एमएन 2.0 ने दिखाया है कि एक साधारण विचार, जब प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो वह ग्रामीण समुदायों में व्यापक बदलाव ला सकता है।

अपने नवीनतम प्रयास में, आईसीएआर-एनबीएफजीआर ने सीतापुर जिले के **कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), कटिया में "कौशल और उद्यमिता विकास कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लक्ष्मी, अनामिका, बुद्धपूर्णिमा, राखी, शारदा, भीमराव अंबेडकर, दुर्गा और मोहिनी जैसे नौ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 25 महिलाओं ने भाग लिया। ये प्रतिभागी सरैयामाफी, खिद्रियापुर, रामाभारी, मिश्रिख, भगवंतपुर और भगतपुरवा जैसे छह गांवों से आई थीं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सजावटी मछली पालन, एक्वेरियम निर्माण, और व्यापार के व्यावसायिक पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी कौशल सिखाने तक सीमित रहा बल्कि इसमें भाग लेने वाली महिलाओं में आत्मविश्वास और उद्यमशीलता की सोच भी विकसित की गई। जो महिलाएं पहले केवल जीवनयापन के लिए खेती करती थीं, वे अब सजावटी मछली पालन को एक व्यवहारिक आजीविका विकल्प के रूप में अपना रही हैं। अपने घर के पिछवाड़े के तालाबों में मॉली और गप्पी जैसी सजावटी मछलियों का पालन करके, कई महिलाएं अब अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं और अपने समुदायों में प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

इस पहल का प्रभाव इसके व्यापक पहुंच और परिणामों में स्पष्ट रूप से झलकता है। अपनी शुरुआत से लेकर अब तक, मिशन नवशक्ति ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न एसएचजी से जुड़ी 250 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया है। इन महिलाओं ने सजावटी मछली पालन और एक्वेरियम निर्माण में विशेषज्ञता हासिल कर ली है, जिससे छोटे पैमाने के व्यवसायों के लिए एक ठोस आधार तैयार हो गया है। कार्यक्रम का हब और क्लस्टर मॉडल , जिसे बाराबंकी जिले के धनकुट्टी और आसपास के गांवों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है, ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण, इनपुट वितरण और फिश बैंक के लिए एक केंद्रीय संसाधन से जोड़ता है। लखनऊ के एक्वावर्ल्ड और हाइटेक फिश फार्म और फार्मर नॉलेज सेंटर बाराबंकी जैसे ज्ञान भागीदारों ने तकनीकी मार्गदर्शन, स्थायी आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संबंध प्रदान करके इन प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कटिया में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. यू.के. सरकार ने किया। एससीएसपी की नोडल अधिकारी डॉ. पूनम जयंत सिंह ने सजावटी मछली पालन में व्यावसायिक दृष्टिकोण की महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे इस तरह की जमीनी स्तर की पहल समावेशिता, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण जैसे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती है। प्रतिभागियों को सजावटी मछली पालन की व्यावसायिक क्षमता का पता लगाने और उद्यमशीलता की सोच को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। **एक्वावर्ल्ड के श्री इंद्रमणि राजा** ने सजावटी मछली व्यापार में अवसरों पर चर्चा की और प्रतिभागियों को शहरी बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कम लागत वाली इनपुट तकनीकों, जैसे अनुपयोगी चारे इकाइयों को पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी।

कटिया के केवीके की स्थानीय टीम ने इस कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक समन्वित किया। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने में डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव (केवीके प्रमुख), डॉ. आनंद सिंह, डॉ. अखिलेश मिश्रा और श्री विकास कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ज्ञान भागीदारों ने प्रतिभागियों के प्रशिक्षण अनुभव को और समृद्ध बनाया और उन्हें सजावटी मछली पालन को एक स्थायी व्यवसाय में बदलने के लिए आवश्यक उपकरण और कौशल प्रदान किए।

मिशन नवशक्ति 2.0 आईसीएआर-एनबीएफजीआर की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि उसके कार्यक्रम राष्ट्रीय समावेशी विकास और सशक्तिकरण के लक्ष्यों के साथ जुड़े हुए हैं। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर, इस पहल ने अनुसूचित जाति की महिलाओं को अपने समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाने, वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने और दूसरों को अपने पथ पर चलने के लिए प्रेरित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

मिशन नवशक्ति द्वारा लाए गए बदलाव न केवल आर्थिक हैं बल्कि सामाजिक भी हैं, क्योंकि यह ग्रामीण महिलाओं के बीच सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है और आत्मनिर्भरता और लचीलापन की भावना को बढ़ावा देता है। एक सरल लेकिन प्रभावशाली विचार से प्रेरित यह जमीनी आंदोलन नई और उज्जवल संभावनाओं के साथ भारत के ग्रामीण हृदय क्षेत्र की महिलाओं के भविष्य को पुनर्परिभाषित कर रहा है।

ICAR
KVK
vivo T1
Nov 20, 2024, 13:20

KVK